रेलवे द्वारा भारत से बाहर किया गया निर्माण कार्य

2539. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रेलवे विदेशों में भी निर्माण कार्य करता है, यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेशों में किए गए निर्माण कार्य का देशवार मूल्य क्या है ; और

(ख) क्या यह सच है कि अनेक देशों ने कार्य घटिया दर्जे होने की शिकायतें की हैं, यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान उन देशों के नाम क्या हैं जिनके ऐसी शिकायतें मिली हैं और उस संबंध में कितने अधिकारी दोषी पाए गए ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड (इरकान) जो रेल मंत्रालय के अधीन एक सरकारी कम्पनी है, विदेशों में निर्माण कार्य करती है । विगत 3 वर्षों के दौरान कम्पनी द्वारा विदेशों में निष्पादित किये गये निर्माण-कार्यों के मूल्य का देश वार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

देश	मूल्य
इराक	490 करोड़ रुपये (लगभग)
अल्जीरिया	116 करोड़ रुपये (लगभग)
सऊदी अरब	20 करोड़ रुपये (लगभग
नाइजीरिया	0.56 करोड़ रुपये (लगभग

(ख) जी नहीं ।

विश्व बैंक के सहयोग से चल रही रेलवे परियोजनाएं

2540. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विभिन्न जोनों में विश्व बैंक के सहयोग से चल रही रेलवे परियोजनाओं की अनुमानित लागत कितनी है और ये परियोजनाएं किस-किस तारीख को आरम्भ की गई थीं ;

(ख) उनको पूरा करने के लिए कितनी समयावधि नियत की गई है ;

(ग) निर्माण कार्य में मरने वाले तथा घायल होने वाले श्रमिकों की संख्या कितनी है ; और

(घ) मुआवजे के रूप में उन्हें कितनी धनराशि दी गई है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) और (ख) विश्व बैंक से प्राप्त वर्तमान क्रेडिट/ऋणों के अन्तर्गत चल रही रेल परियोजनाओं का अपेक्षित ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(i) दिसम्बर, 1978 में तय किया गया 190 मिलियन डालर का क्रेडिट 844 आई एन :

विश्व बैंक के इस क्रेडिट के अन्तर्गत पहिया एवं धुरा संयंत्र, चार कारखानों यथा माटुंगो, परेल, कंचरापाड़ा और खड़गपुर तथा चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने के आधुनिकीकरण, पहियों एवं धुरों, रेल इंजनों के पुर्जों तथा अन्य छोटी-मोटी मदों की खरीद के लिए सहायता प्राप्त है ।

पहिया एवं धुरा संयंत्र पर लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत आने का अनमान लगाया गया है और इसमें उत्पादन शुरू हो गया है ।

कारखानों के आधुनिककीकरण पर लगभग 65 करोड़ रुपये की लागत आने का अनमान है और यह काम चालू वर्ष में पूरा हो जाने की संभावना है ।

(ii) अक्तूबर, 1982 में तय किया गया 400 मिलियन डालर का आई डी० ए० क्रेडिट 1299/ऋण 2210 आई एन :

विश्व बैंक के इस क्रेडिट/ऋण के अन्तर्गत डीजल पुर्जा कारखाना (डी सी डब्ल्यू) पटियाला, माल डिब्बों के लिए